!! जय भिक्षु !! !! जय महाश्रमण !!

!! अर्हम !!

तेरापंथ धर्मसंघ के 148वें मर्यादा महोत्सव के उपलक्ष्य में सुनाम में अनुशासन एवं व्यवस्था के उपर विशेष कार्यक्रम।

सुनाम- दिनांक 29-1-2012 को शांतिदूत महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री सोहनकुमारी जी छापर के सान्निध्य में तेरापंथ धर्मसंघ का विशिष्ट पर्व मर्यादा महोत्सव के उपलक्ष्य में अनुशासन एवं व्यवस्था के उपर विशेष कार्यक्रम समायोजित किया गया। साध्वीवृन्द के द्वारा भिक्षु अष्ट्कम के माध्यम से मंगलाचरण की प्रस्तुति से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

साध्वी श्री सोहनकुमारी जी ने अपने मंगल उद्बोधन में आचार्य भिक्षु के महान् अवदानों एवं मर्यादाओं को उजागर करते हुए श्रावक समाज को सजग व सावधान किया। जीवन को, परिवार को, समाज व देश को सुव्यवस्थित एवं सुसंगठित करने के लिए अनुशासन व व्यवस्था का बहुत बडा महत्व है। यह तेरापंथ धर्मसंघ प्राणवाण धर्मसंघ है। समय-समय पर व्यवस्थाओं एवं मर्यादाओं ने चारों तीर्थ को एक डोर में रखा।

साध्वी श्री जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि अनुशासन आत्मा से स्वीकृत किया जाता है न कि जबरदस्त थोपा जाता है। संघ के प्रत्येक सदस्य अपनी आत्मसाक्षी से इसे स्वीकार करते है और प्राणार्पण से आजीवन पालन करते है। वही व्यकित उन्नति व प्रगति के शिखर पर आरोहण करता है, जो इन व्यवस्थाओं से जुडा रहे।

साध्वी श्री लज्जावती जी ने कहा- कि प्राची में नवोदित सूर्य, यह पृथ्वीतन एवं सुमधुर बयार हमें मर्यादा एवं व्यवस्था में आने के लिए प्रेरित कर रही है। जैसे शरीर में रीढ की हड्डी का महत्व है, मकान के लिए नींव का महत्व है, वैसे की हमारे जीवन में मर्यादा एवं व्यवस्था का महत्व है। **आचार्य भिक्षु** ने हमें वटवृक्ष दिया **तेरापंथ** के रूप में, जो महान् शाखाओं को अपनी सुषमा को चारों ओर फैलाकर मर्यादा और अनुशासन का सफल संदेश दे रहा है।

इस अवसर पर आचार्य महाश्रमण जी की डॉक्यूमैंटरी सीडी दिखाई गई। इस कार्यक्रम में साध्वी श्री लावण्य श्री जी, साध्वी श्री सिद्धान्त श्री जी, श्री रामलाल जी जैन, श्री केवलकृष्ण जी जैन, प्रेमभूषण जी जेन, चिमन जी जैन, आदि ने भाषण एवं गीतिका के माध्यम से अपनी भावनाओं की अभिव्यकित दी। तेरापंथ युवक परिषद् व कन्नयामंडल ने संयुक्त प्रस्तुति दी गीतिका के माध्यम से।

कार्यक्रम का कुशल संयोजन हितेश जैन ने किया।

Yours Faithfully,
All TYP Members,
President:- Sumit Jain.
Secratery:- Ashish Jain.
Hitesh Jain (90413-99764).

Date of Sent:- 31-1-2012.

****